दानियल रौ बिश्वाश

Bangani

दानियल रौ बिश्वाश

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

Local

Copyright © 2020, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दानिय्येल के बिश्वाश के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।

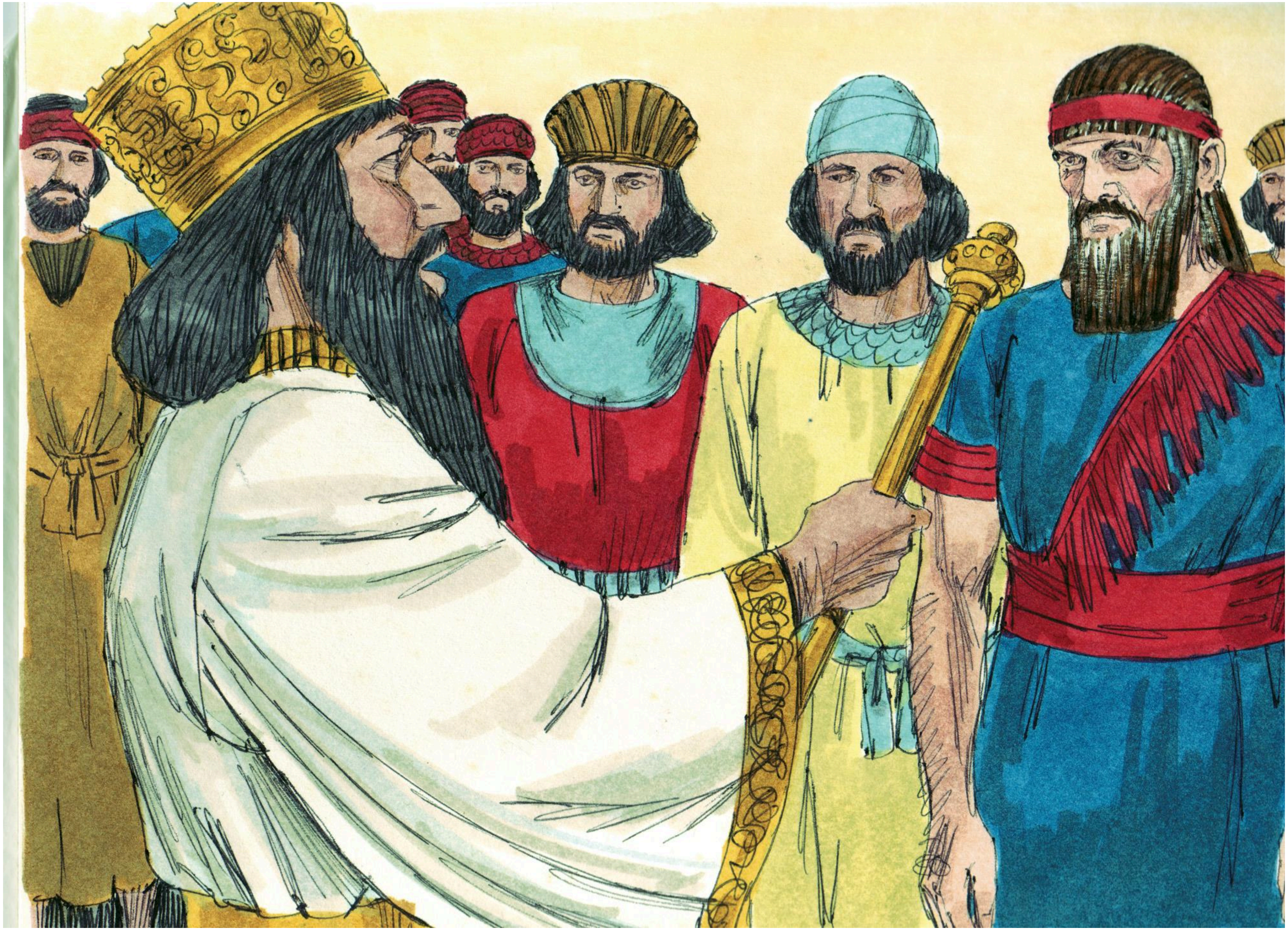

ज़ेज़ौ बौक्ते दि बेबीलोन देश दि दारा नौऊँ रौ राज़ा राज़ कौरै थौ, तिणी आपड़ै राज्य माइं 120 अदिपति थौऐ, ज़ुण्ज़ै पुरै राज्य दि अदिकार थौयैण थै, औज़ि तिउँ 120 अदिपतिउँ माइं चीन अध्यक्ष थौऐ, तिउँ चीन अध्यक्ष माइं एक दानियल थौ।

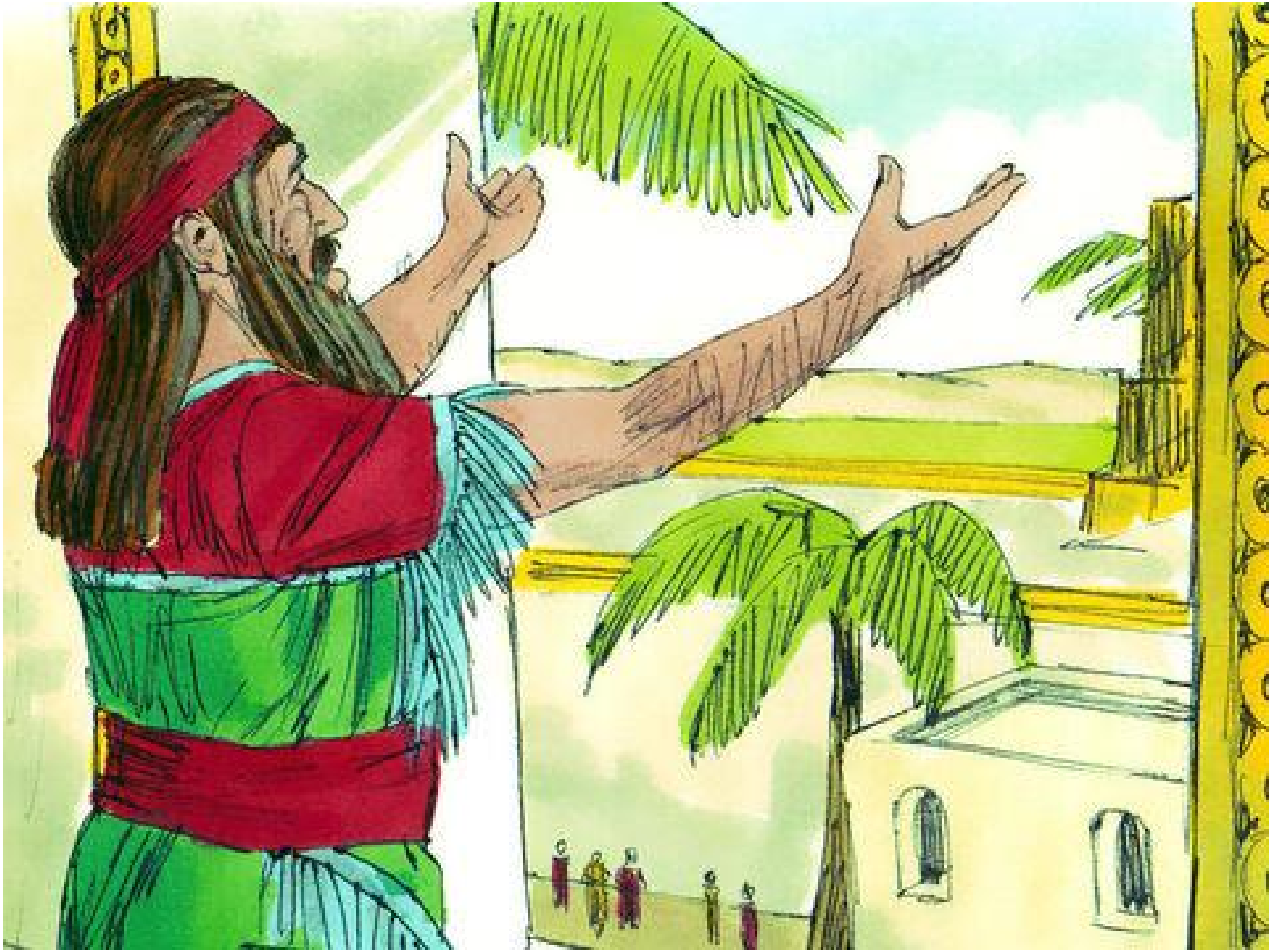

दानियल परमेश्वर दि बिश्वाश कौरै थौ, सेउ दुसे दि चीन बैरै परमेश्वर कौइ प्राथना कौरै थौ, परमेश्वर री आत्मा दानियल दी थी, दानियल आपड़ौ काम इमानदारी कौइ कौरै थौ। औज़ि राज़ा तेसकौइ खुश रौऐ थौ।

तैबै राज़ाइ देखौ कि दानियल दि परमेश्वर री आत्मा रौऐ। राज़ा सारै अदिपतिउँ औज़ि अध्यक्ष माइं कौइ दानियल कौइ खुश रौऐ थौ। तैबै राज़ाइ दानियल सारै अदिपतिउँ औज़ि अध्यक्ष माइं कौइ एक बड़ौ अध्यक्ष चाणौ।

तैबै दानियल रै साथी तेसकौइ नफरत कौरैण थै, सै सारै ज़ौणै मिलियौ दानियल री कौमियै लोड़दै लागै, सारिउँ बौरी कोशिश की, पर कासी कै बी तेसरी एक गलती ना मिली, केलाकि सेउ इमानदारी कौइ आपड़ौ काम कौरै थौ।

तैबै अदिपति औज़ि अध्यक्ष बोल्दै लागै कि आमै दानियल रै परमेश्वर रै रितिरिवाज़ छ़ोड़ियौ दुज़ी केसी बी बात दी दोश ना लाई सौक्दै, एज़ी बौज़ै कौइ तिउँ दानियल फौशाणेखी गलत च़ाल चौली।

सै राज़ा काई डेइयौ बोल्दै लागै, ए राज़ा तू सौदाइं ज़िऊन्दिया च़ाइं रौइ, औज़ि एशौ आदेश गाड़ कि 30 दूस ज़ौऊँ ज़ुण्ज़ौ कोई ताऊँ छ़ोड़ियौ कासी ओर माणछुरी या कासी देबता री उपासना कौरै लौ, तै तेस शेर रै ओडारे दी पाई लै।

तैबै दारा राज़ाइ आदेश री च़िट्ठी पारै साईन कियौ, औज़ि ज़ौ दानियल कै पौतौ लागौ कि राज़ाइ आदेश देणौ, कि कासी बी देबता री उपासना ना कौरनी, तैबै बी दानियल आपड़ै गौरै डैअ औज़ि जेशौ सेउ औगौणिकै दुसे दी चीन बैरै प्राथना कौरै थौ, तेशौइ परमेश्वर कौइ प्राथना कौरदै लागौ।

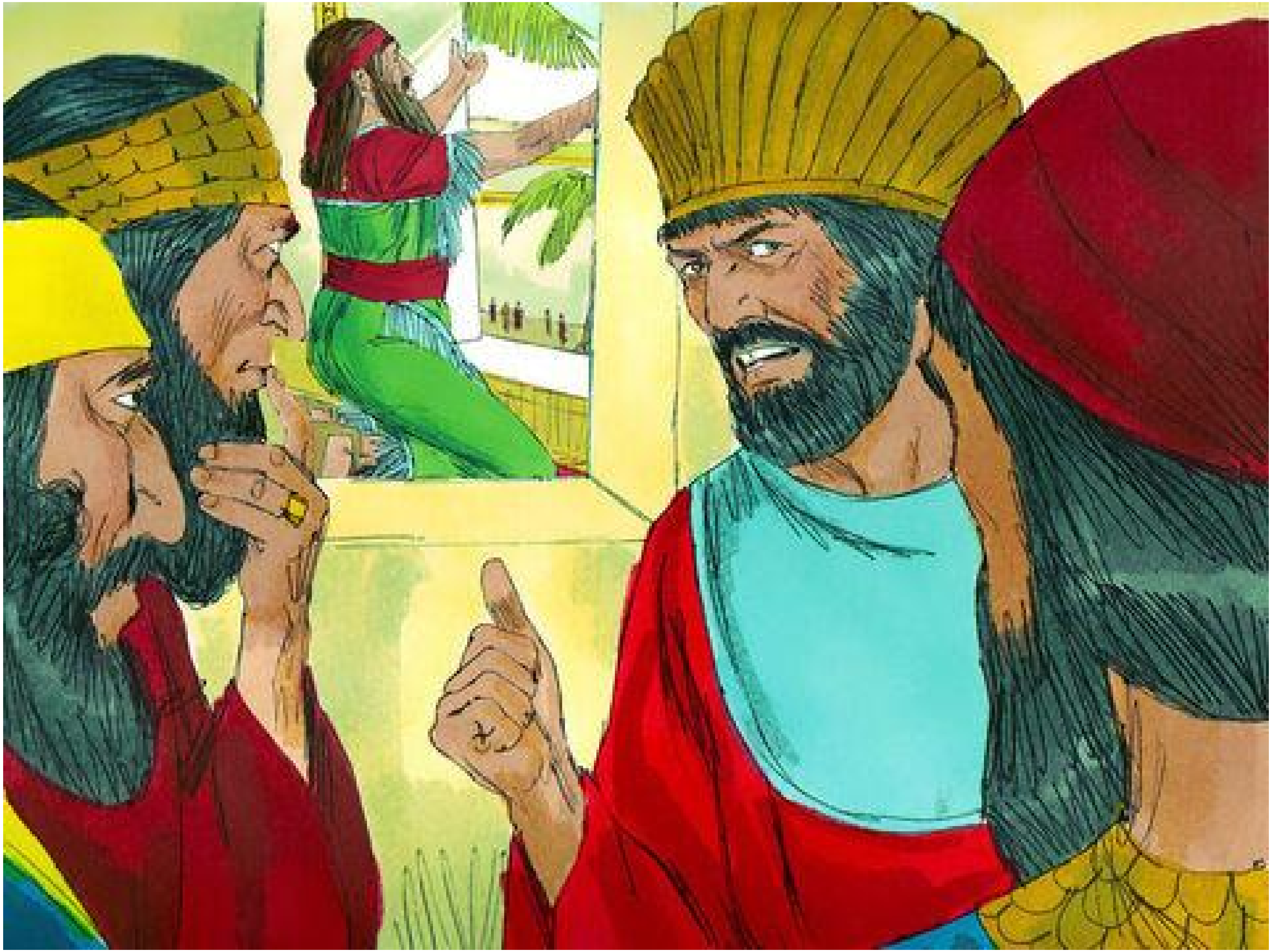

तैबै अदिपतिउँ दानियल आपड़ै गौरे दी परमेश्वर कौइ प्राथना कौरदु बैरै देखौ, तै सै राज़ा काई डेइयौ बोल्दै लागै। कि ए राज़ा का ताईं आदेश ना देणौ, कि 30 दूस ज़ौऊँ ज़ुण्ज़ौ ताऊँ छ़ोड़ियौ दूजै देबताऊँ री उपासना कौरै लौ तै तेस शेर रै ओडारे दि पाई लै।

तैबै राज़ाइ बोलौ, “ओबै मुईं एशौ आदेश देणौन्दौ औज़ि सेउ आदेश पाकौ।” तैबै तिउँ राज़ा आरी बोलौ, ए राज़ा पर दानियलेइ ना तै ताउँ दि दियान देणौ, ना तेरौ आदेश मानौ, सेउ ताऊँ छ़ोड़ियौ आपड़ै परमेश्वर कौइ दुसे दी चीन बैरै प्राथना कौरै, एज़ी बुशै शुणियौ राज़ा बौरी ऊदास उवौ।

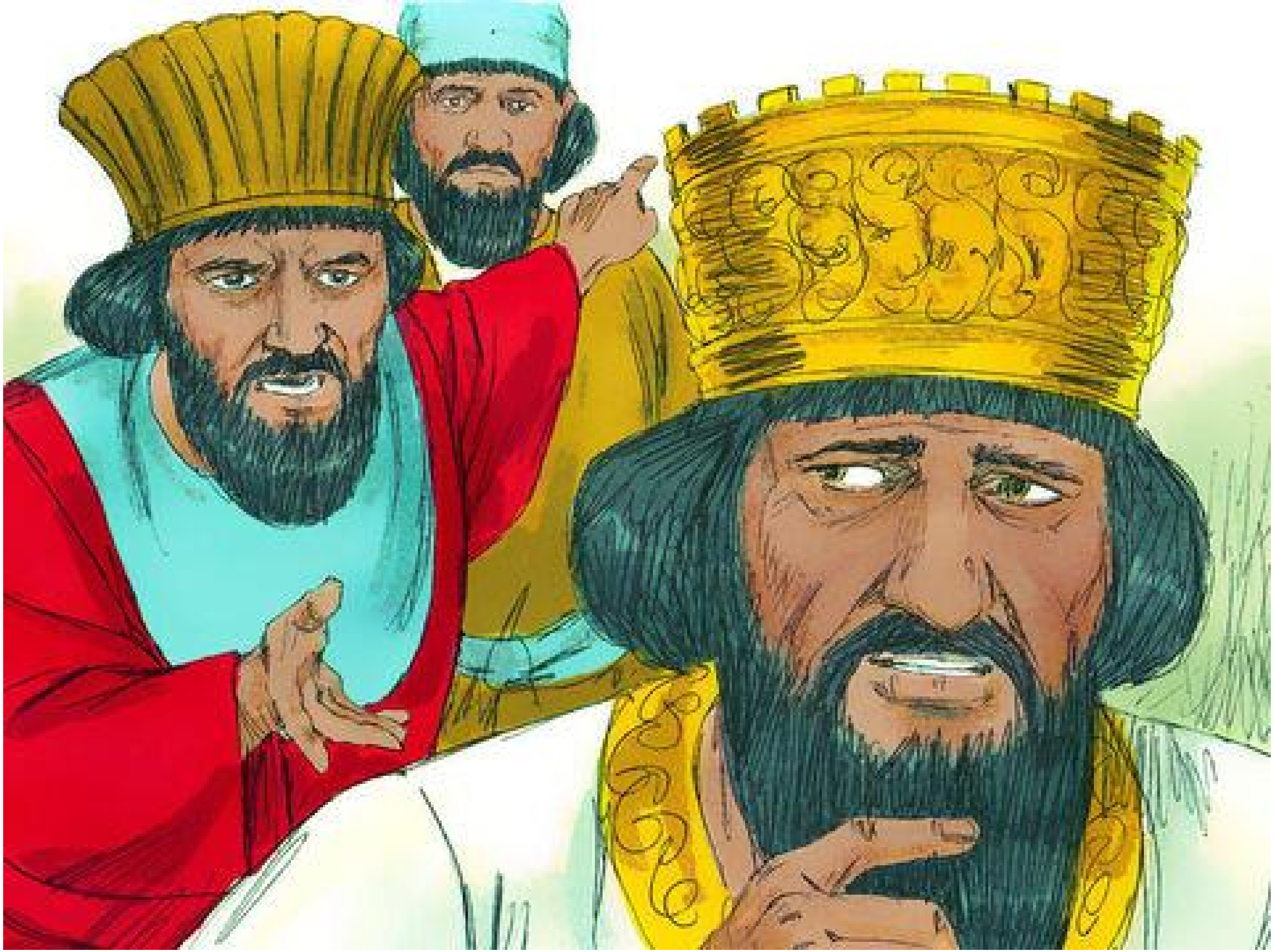

सेउ दानियलेइ बौच़ाणे खी सुँच़दै लागौ। पर राज़ा कै बियाळकै ज़ौऊँ दानियल बौच़ाणेखी कोई बी बिच़ार या उपाय ना मिलौ, तैबै राज़ाइ आपड़ौ आदेश री बौज़ै कौइ बेबश ऊइयौ आदेश देणौ कि दानियलेइ शेर रै ओडारे दि पाई दैअ।

तैबै तिऊँ दानियल शेर रै ओडारे दि पाई दैणौ, तैबै राज़ाइ दानियल आरी बोलौ, कि ज़ेस परमेश्वर री तू उपासना कौरै, सेउ ई ताऊँ शेर कौइ बौचाऐ लौ। तैबै तिऊँ तेस ओडारै रौ मूँ एक बड़ौ डोळै कौइ बन्द कियौ, तैबै राज़ा आपड़ौ मैहल खी डैअ।

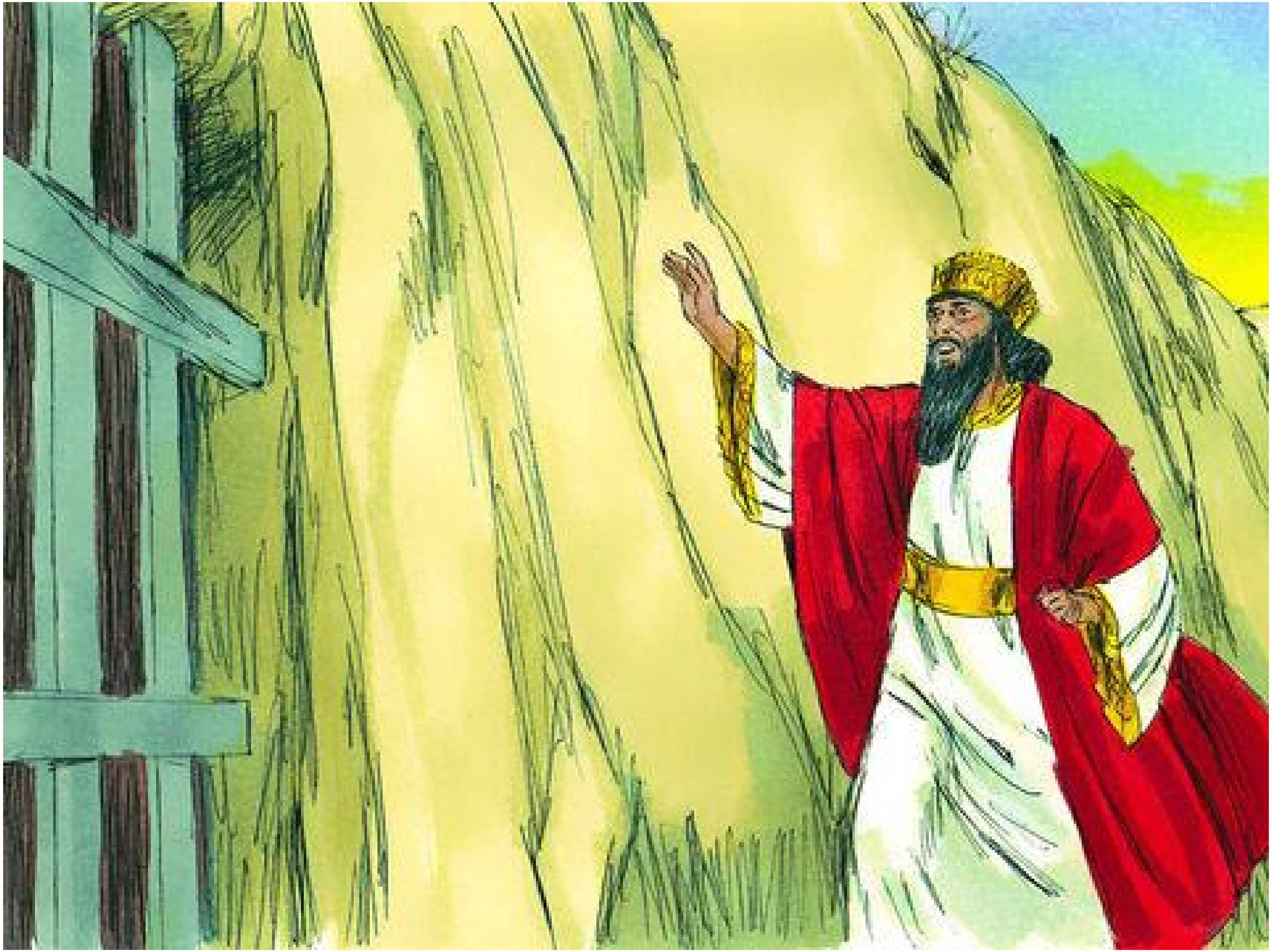

तैबै राज़ाइ सेज़ी रात खाणौ बी ना खाऔ, औज़ि ना सूतौ, पर रातबर दानियल री चि़न्ता कौरदु रौ, ज़ौ रात कुशकुशाई तैबै राज़ा ओडारै काई दौड़ियौइ डैअ। औज़ि दुखी आवाज़ कौइ तेसखी औटाउइयौ बोलौ, ए ज़िऊँन्दिया परमेश्वर रौ दास, का तेरौ परमेश्वरेइ ज़ेसरी तू उपासना कौरै। तू शेरूँ कौइ बौच़ाअ।

तैबै दानियलेइ बोलौ, “ओबै राज़ा मेरै परमेश्वरेइ मूँ बौच़ाणेखी आपड़ै स्वर्गदूत छ़ाड़ै। तिणी स्वर्गदुतेइ शेर रौ मूँ बन्द कियौ, शेरुँ मेरी कुछ़ बी हानि ना पौच़ाई, केलाकि मेरौ परमेश्वर ज़ाणै कि आऊँ निर्दोश मुईं राज़ा रै खिलाफ केत्राइ बी बुरौ ना कियौ। तैबै राज़ाइ दानियल बारै गौडाअ।

औज़ि ज़िऊँ लोगु तेसरै बारे दी चुगली की थी, सै राज़ाइ ओडारे दि पौआयै। औज़ि राज़ाइ एशौ आदेश देणौ कि सारै लोग परमेश्वर रौ डौर मानियौ, औज़ि तेसरौ आदर कौरियौ, केलाकि सेउ ज़िऊँन्दिया परमेश्वर। सेउ आमारै साथै सौदाइं रौयै, तेसरौ राज़ रौ केत्राइ बी अन्त ना उवै लौ, परमेश्वर लोगु बौचाऐ औज़ि रक्षा कौरै स्वर्ग दी औज़ि दौरती माइं परमेश्वर अदबुत चकित कौरणे वाळौ काम कौरै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one "reading.")

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with "reading" when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers "read" a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher "read" it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।
हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते है। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागो में शिक्षा देते है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सके। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सके।
हम जानते है कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगो के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है। उसे उन्ही की मातृभाषा में तैयार करते है। जिससे उन्हे पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।
हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नही चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगो के लिये तथा बच्चो के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्ही की मातृभाषा में उपलब्द कराते है। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें ओर हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।
,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,

Local

This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.